स्वामी रामानंद तीर्थ

मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

“ज्ञानतीर्थ” विष्णुपुरी, नांदेड

बहिस्थशिक्षा केंद्र

हिंदी पाठ्यक्रम

एम. ए. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष

शैक्षिक वर्ष **2023-24** से प्रारंभ

स्वामी रामानंद तीर्थ

मराठवाडा विश्वविद्यालय, नांदेड

बहिस्थशिक्षा केंद्र

एम. ए. हिंदी प्रथम एवं द्वितीय वर्ष : पाठ्यक्रम की रूपरेखा

पाठ्यक्रम ०१ : मध्ययुगीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य

पाठ्यक्रम ०२ : हिंदी कथा साहित्य

पाठ्यक्रम ०३ : प्रयोजनमूलक हिंदी

पाठ्यक्रम ०४ : हिंदी साहित्य का इतिहास

बहिस्थशिक्षा केंद्र

एम. ए. प्रथम वर्ष हिंदी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

१. बहिस्थशिक्षा केंद्र के इस पाठ्यक्रम के माध्यमसे वैश्विकता की ओर कदम बढ़ाती हिंदी भाषा के सामर्थ्य से परिचित कराना तथा हिंदी साहित्य के आस्वाद की रूचि बढ़ाना

२. इस पाठ्यक्रम के माध्यमसे बहिस्थशिक्षा के छात्रों को अपने परिवेश से जोड़ना तथा उनके व्यक्तित्व को संपन्न बनाना| छात्र इस साहित्य में अपने जीवन की झाँकि देखे, वर्तमान समय में संघर्षपूर्ण जीवन का साहस के साथ सामना कर सके और अपने जीवन को सरस बनाने में इस ज्ञान का उपयोग कर सके|
३. हिंदी काव्य एवं कथा साहित्य यह पाठ्यक्रम हिंदी के प्रमुख एवं प्रतिनिधि कवियों से छात्रों को परिचित कराएगा| साथ ही राष्ट्रीय एकता का एहसास, सामाजिक समरसता का परिचय, पारिवारिक संबंधों की मजबूती तथा सांस्कृतिक एकता का महत्त्व प्रतिपादित करेगा|
४. रोजगार की दृष्टि से 'प्रयोजन मूलक हिंदी' यह पाठ्यक्रम अत्यंत महत्वपूर्ण है| यह पाठ्यक्रम बनाते समय पहली बार प्रत्यक्ष कृति पर अधिक बल दिया गया है| इसी कारण यह पाठ्यक्रम काफी चुनौतीपूर्ण भी बन गया है| भाषिक कुशलता प्राप्ति की दृष्टि से यह पहला कदम है| हिंदी की प्रयुक्तियों से प्रत्यक्ष कृति के माध्यमसे छात्रों को परिचित होना है| जिनमें प्रमुख रूप से जनसंचार के प्रिंट एवं इलेक्ट्रोनिक माध्यम है|
५. अनुवाद के माध्यमसे सारी भारतीय भाषाओं में संबंध स्थापित करना इस पाठ्यक्रम का महत्वपूर्ण उद्देश्य है| साथ ही 'अनुवाद प्राद्यौगिकी' के क्षेत्र की चुनौतियों की ओर छात्र देखे और इन चुनौतियों के लिए छात्र अपने आपको तैयार करें|
६. हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यमसे साहित्येतिहास लेखन का स्वरूप एवं समस्याओं से परिचित कराते हुए समग्र हिंदी साहित्य से रूबरू कराकर छात्रों को इस क्षेत्र में अनुसंधान के लिए प्रवृत्त करना है| नए साहित्यिक प्रवाहों से भी उन्हें परिचित होना हैं|
७. स्वयं अध्ययन और इसके लिए की जानेवाली कृति के बिना अध्ययन - अध्यापन अधूरा है| छात्र स्वयं अध्ययन की ओर प्रवृत्त हो यह इस केंद्र का उद्देश्य है|

आपको अध्ययन अध्यापन के लिए अनेक - अनेक शुभकामनाएँ ....

एम. ए. हिंदी प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम - ०१

मध्ययुगीन एवं आधुनिक हिंदी काव्य

खंड अ मध्ययुगीन काव्य

इकाई ०१ : भक्ति काल

१.१ भक्तिकालीन काव्य का स्वरूप
१.२ भक्ति आन्दोलन : विकासात्मक परिचय
१.३ भक्तिकालीन काव्यधाराएँ
१.४ भक्तिकालीन साहित्य का योगदान

इकाई ०२ : हिंदी संत एवं सूफी काव्य

२.१ हिंदी संत एवं सूफी काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
२.२ प्रमुख संत एवं सूफी कवि एवं उनका काव्य
२.२.१ कबीर : गुरुदेव कौ अंग, सुमिरन कौ अंग, विरह कौ अंग (प्रत्येक अंग से दो-दो पद) (०६)
२.२.२ रैदास : जांति-पाँति तथा हिंदू मुस्लिम एकता से संबंधित दो-दो पद

(०४)

२.२.३ जायसी : पद्मावत - नागमती वियोग खंड

२.३ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में संत एवं सूफी साहित्य

इकाई ०३ : राम-भक्ति एवं कृष्ण-भक्ति काव्य

३.१ राम-भक्ति एवं कृष्ण-भक्ति काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

३.२ राम-भक्ति एवं कृष्ण-भक्ति काव्य और प्रमुख कवि

३.२.१ तुलसीदास : रामचरित मानस – अयोध्या कांड

३.२.२ सूरदास : सूरसागर – वात्सल्य एवं रूप वर्णन से संबधित तीन-तीन पद तथा 'भ्रमरगीत' से तीन पद (०९)

३.२.१ मीराबाई : स्त्री अस्मिता से संबधित पाँच पद (०५)

३.३ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में राम-भक्ति एवं कृष्ण-भक्ति काव्य

इकाई ०४ : रीति काव्य

४.१ रीतिकालीन सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टि

४.२ रीतिकालीन काव्यधाराएँ : सामान्य परिचय

४.३ रीतिकालीन प्रमुख कवि एवं रचनाएँ

४.३.१ बिहारी : सतसई – श्रृंगार वर्णन से संबंधित पाँच छंद (०५)

४.३.२ भूषण : शिवराज भूषण – प्रशस्तिपरक पाँच छंद (०५)

४.३.३ घनानंद : घनानंद कवित्त - विरह से संबंधित पाँच छंद (०५)

४.३.४ रहीम : नीति (०२), भक्ति (०२) और प्रकृति (०१) से संबंधित छंद (०५)

४.४ रीतिकाल का काव्यशास्त्र एवं साहित्य के लिए योगदान

खंड आ आधुनिक काव्य

इकाई ०५ : आधुनिक काव्य एवं प्रमुख कवि - भाग १

५.१ आधुनिकता, पुनर्जागरण, नवजागरण : अवधारणा एवं स्वरूप तथा काव्यधाराएँ – संक्षिप्त परिचय

५.२ आधुनिक काव्य : प्रमुख कवि एवं रचनाएँ

५.२.१ मैथिलीशरण गुप्त : यशोधरा – यशोधरा के मानिनी रूप से संबंधित अंश

५.३ छायावाद : वैचारिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

५.४ छायावाद के प्रमुख कवि

५.४.१ जयशंकर प्रसाद : कामायनी – लज्जा सर्ग

५.४.२ सुमित्रानंदन पंत : प्रकृति वर्णन से संबंधित दो कविताएँ

५.४.३ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला : गीतिका – दो गीत

५.५ युगीन परिप्रेक्ष्य में इन कवियों का योगदान

इकाई ०६ : आधुनिक काव्य एवं प्रमुख कवि – भाग २

६.१ प्रगति – प्रयोग - नई कविता तथा समकालीन कविता : वैचारिक पृष्ठभूमि

६.२ प्रगति – प्रयोग - नई कविता तथा समकालीन कविता : प्रमुख कवि एवं कविताएँ

६.२.१ नागार्जुन : दो व्यंग्यात्मक कविताएँ

६.२.२ दिनकर : रश्मिरथी – कर्ण के चरित्र से संबंधित अंश

६.२.३ अज्ञेय की दो कविताएँ

६.२.४ मुक्तिबोध की दो कविताएँ

६.३ इन साहित्यकारों का साहित्यिक – सामाजिक योगदान एवं मूल्यांकन

इकाई ०७ : आधुनिक काव्य एवं प्रमुख कवि - भाग ०३

७.१ हिंदी गज़ल तथा कविता के नए स्वर तथा दक्खनी काव्य

७.२ विधागत स्वरूप, युगीन पृष्ठभूमि एवं वैचारिक पृष्ठभूमि

७.३ प्रमुख कवि

७.३.१ दुष्यंतकुमार : गज़ल (०२) (साए में धूप – १. भूख है तो सब्र कर तथा २. कहा तो तय था चीरागाँ)

७.३.२ कात्यायनी : कविता (०२)

सात भाइयों के बीच चम्पा इस संकलन से –

१. इस लड़की से डरो

२. हॉकी खेलती लड़कियाँ

७.३.३ सुशीला टाकभौरे : कविता (०२)

१. हमारे हिस्से का सूरज

२. जानकी जान गयी है

७.३.४ दक्खनी कविता (०२)

७.४ मूल्यांकन

अधिक अध्ययन हेतु :

नामदेव, गुरुनानक, आचार्य केशवदास, गुरु गोविंद सिंह भारतेंदु, महादेवी वर्मा, हरिवंशराय बच्चन, धूमिल, नवगीत की समीक्षा करने का प्रयास कीजिए

स्वयं अध्ययन के लिए :

१. प्रादेशिक लोकगीतों का संकलन कीजिए

२. दक्खनी कविताओं का संकलन कर समीक्षा करने की कोशिश कीजिए

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. हिंदी साहित्य कोश : सं धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमंडल लिमिटेड, आज भवन, संत कबीर मार्ग, वाराणसी – २२१००१, पुनर्मुद्रित संस्करण २०००

२. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

३. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारीप्रसाद द्विवेदी
४. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं डॉ. नगेन्द्र, नॅशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
५. कबीर : हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
६. कबीर : डॉ. पुष्पपाल सिंह
७. पद्मावत : डॉ. वासुदेवशरण अग्रवाल, साहित्य सदन चीरगाँव, झाँसी
८. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
९. गोस्वामी तुलसीदास : आचार्य शामसुंदर दास
१०. त्रिवेणी : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
११. सूर साहित्य : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
१२. भ्रमरगीत : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
१३. सूरदास : डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा, हिंदी परिषद्, प्रयाग विश्वविद्यालय
१४. मीराँबाई की पदावली : परशुराम चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य संमेलन प्रयाग
१५. बिहारी सतसई : सं जगन्नाथदास 'रत्नाकर'
१६. बिहारी : विश्वनाथप्रसाद सिंह, रामचंद्र एंड कंपनी , दिल्ली
१७. घनानंद ग्रन्थावली : सं विश्वनाथप्रसाद मिश्र
१८. भूषण ग्रंथावली : तिवारी भगवानदास
१९. भूषण का प्रशस्ति काव्य : रमा नवले, विकास प्रकाशन कानपूर
२०. रीतिकाव्य की भूमिका : डॉ. नगेन्द्र
२१. मैथिलीशरण गुप्त ; व्यक्ति और काव्य, के. कमलकांत पाठक
२२. छायावाद : डॉ. नामवरसिंह
२३. कामायनी काव्य संस्कृति और दर्शन : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
२४. कामायनी पुनर्मूल्यांकन : मुक्तिबोध
२५. आधुनिक कविता : प्रकृति और परिवेश : डॉ. हरिचरण शर्मा, चिन्मय प्रकाशन, जयपुर
२६. निराला की साहित्य साधना : डॉ. रामविलास शर्मा
२७. क्रांतिकारी कवि निराला : डॉ. बच्चन सिंह
२८. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी
२९. अज्ञेय ; सृजन और संघर्ष : डॉ. रॉय, लोकभारती प्रकाशन
३०. मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना : डॉ. नवलकिशोर नवल
३१. साठोत्तरी हिंदी ग़जल : मधु खराटे, विद्या प्रकाशन, कानपुर
३२. कम से कम एक दरवाज़ा : सुधा अरोड़ा, बोधि प्रकाशन, जयपुर

एम. ए. हिंदी
प्रथम वर्ष
पाठ्यक्रम – 02

हिंदी कथा साहित्य

खंड अ
हिंदी उपन्यास

इकाई ०१.: उपन्यास : अवधारणा, स्वरूप, तत्व एवं प्रमुख भेद

१.१ उपन्यास : अवधारणा एवं स्वरूप
- १.१.१ उपन्यास : अर्थ एवं परिभाषा
- १.१.२ उपन्यास : स्वरूप विवेचन
- १.१.३ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में उपन्यास विधा का महत्त्व

१.२ उपन्यास के तत्व
- १.२.१ कथावस्तु
- १.२.२ पात्र या चरित्र चित्रण

१.२.३ संवाद या कथोपकथन
१.२.४ देशकाल और वातावरण
१.२.५ भाषाशैली
१.२.६ उद्देश्य

१.३ उपन्यास : प्रमुख भेद

१.३.१ तिलस्मी / जासूसी / सामाजिक / ऐतिहासिक उपन्यास
१.३.२ आँचलिक / यथार्थवादी / राजनीतिक चेतना के उपन्यास
१.३.३ मनोवैज्ञानिक / मार्क्सवादी / प्रयोगशील उपन्यास

इकाई ०२ : प्रेमचंद : गोदान

२.१ प्रस्तावना

(प्रेमचंद के समग्र उपन्यास साहित्य को ध्यान में रखकर)

२.२ प्रेमचंद : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

२.२.१ प्रेमचंद का जीवन परिचय
२.२.२ प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय

२.३ गोदान उपन्यास की समीक्षा : निम्न बिंदुओं के आधारपर –

* मूल संवेदना, कथावस्तु एवं चरित्र
    * युगबोध – कृषि संस्कृति, उभरता पूँजीवाद – नई सभ्यता का उदय
    * संयुक्त परिवार-टूटने की प्रक्रिया का प्रारंभ–एकल परिवारों का उदय

२.४ गोदान : मूल्यांकन तथा हिंदी उपन्यास साहित्य में प्रेमचंद का योगदान

इकाई ०३ : भीष्म साहनी : तमस

३.१ प्रस्तावना

(साहनीजी के समस्त उपन्यासों को ध्यान में रखकर)

३.२ भीष्म साहनी : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

३.२.१ भीष्म साहनी का जीवन परिचय
३.२.२ भीष्म साहनी का साहित्यिक परिचय

३.३ तमस उपन्यास की समीक्षा – निम्न बिंदुओं के आधारपर

* रचनाकाल
* मूल संवेदना एवं चरित्रों का स्वरूप
* तत्कालीन राजनीतिक – आर्थिक – धार्मिक संबंध
* लेखक का मानवतावादी दृष्टिकोण

३.४ तमस : मूल्यांकन एवं हिंदी उपन्यास साहित्य में साहनीजी का योगदान

इकाई ०४ : गिलिगडु : चित्रा मुद्गल

४.१ प्रस्तावना

(चित्रा मुद्गल के समस्त कथा साहित्य को ध्यान में रखकर)

४.२ चित्रा मुद्गल : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

४.२.१ चित्रा मुद्गल का जीवन परिचय

४.२.२ चित्रा मुद्गल का साहित्यिक परिचय

४.३ गिलिगडु उपन्यास की समीक्षा – निम्न बिंदुओं के आधारपर

४.३.१ मूल संवेदना एन चरित्रों का स्वरूप

४.३.२ बदलते जीवनमूल्यों का स्वरूप

४.३.३ बदलते पारिवारिक संबंध एवं वृद्ध जीवन की त्रासदी

४.४ गिलिगडु : मूल्यांकन एवं हिंदी उपन्यास साहित्य में चित्रा मुद्गल का योगदान

खंड आ

इकाई ०५ कहानी : अवधारणा, स्वरूप, तत्व एवं प्रमुख चरण

५.१ कहानी : अवधारणा एवं स्वरूप

५.१.१ कहानी : अर्थ एवं परिभाषा

५.१.२ कहानी का बदलता स्वरूप

५.२ कहानी के तत्व

५.२.१ कथावस्तु

५.२.२ पात्र या चरित्र – चित्रण

५.२.३ कथोपकथन या संवाद

५.२.४ देशकाल और वातावरण

५.२.५ भाषा शैली

५.२.६ उद्देश्य

५.३ हिंदी कहानी : प्रमुख चरण

५.३.१ प्रेमचंद पूर्व युग – प्रेमचंद युग - प्रेमचंदोत्तर युग

५.३.२ नई कहानी – साठोत्तरी कहानी

५.३.४ हिंदी कहानी : मूल्यांकन

इकाई ०६ : कहानीकार : गुलेरी विकल्प में प्रेमचंद, कमलेश्वर, ज्ञानरंजन

६.१ उसने कहा था : गुलेरी

६.१.१ प्रस्तावना

(गुलेरीजी के समग्र कहानी साहित्य पर)

६.१.२ गुलेरीजी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

६.१.३ ‘उसने कहा था’ कहानी की समीक्षा

६.१.४ गुलेरीजी का हिंदी साहित्य को योगदान

विकल्प में

६.१ **रूहे हयात : प्रेमचंद**

६.१.१ प्रस्तावना

(प्रेमचंद के समग्र कहानी साहित्य पर)

६.१.२ प्रेमचंद का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

६.१.३ 'रूहे हयात' कहानी की समीक्षा

६.१.४ प्रेमचंद का हिंदी साहित्य को योगदान

६.२ **खोई हुई दिशाएँ : कमलेश्वर**

६.२.१ प्रस्तावना

(कमलेश्वर के समग्र कहानी साहित्य पर

६.२.२ कमलेश्वर का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

६.२.३ खोई हुई दिशाएँ की समीक्षा

६.२.४ मूल्यांकन एवं कमलेश्वर का हिंदी कहानी में योगदान

६.३ **अनुभव : ज्ञानरंजन**

६.३.१ प्रस्तावना

(ज्ञानरंजन के समग्र कहानी साहित्य पर)

६.३.२ ज्ञानरंजन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

६.३.३ अनुभव कहानी की समीक्षा

६.३.४ ज्ञानरंजन का हिंदी कहानी साहित्य में योगदान

इकाई ०७ : कहानीकार : लाल पान की बेगम - फणीश्वरनाथ रेणु, दोपहर का भोजन – अमरकांत, खोज - संजीव

७.१ **लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु**

७.१.१ प्रस्तावना

(फणीश्वरनाथ रेणु की समग्र कहानियों के आधारपर)

७.१.२ फणीश्वरनाथ रेणु का व्यक्तित्व एवं कृतित्व

७.१.३ लाल पान की बेगम कहानी की समीक्षा

७.१.४ मूल्यांकन एवं फणीश्वरनाथ रेणु का हिंदी कहानी साहित्य में योगदान

७.२ **दोपहर का भोजन – अमरकांत**

७.२.१ प्रस्तावना – अमरकांत की समग्र कहानियों के आधारपर

७.२.२ अमरकांत : व्यक्तित्व एवं कृतित्व

७.२.३ दोपहर का भोजन कहानी की समीक्षा

७.२.४ मूल्यांकन एवं अमरकांत का हिंदी कहानी साहित्य में योगदान

७.३ **खोज – संजीव**

७.३.१ प्रस्तावना – संजीव की समग्र कहानियों के आधारपर

७.३.२ संजीव – व्यक्तित्व एवं कृतित्व

७.३.३ खोज कहानी की समीक्षा

७.३.४ मूल्यांकन एवं संजीव का हिंदी कहानी में योगदान

अधिक अध्ययन हेतु :

प्रसाद, सुभद्राकुमारी चव्हाण, जैनेन्द्र, यशपाल, मन्नू भंडारी, भीष्म साहनी,

मृदुला गर्ग, जया जादवानी, उदयप्रकाश, आदि की कहानियाँ

स्वयं अध्ययन के लिए :

१. अपने आसपास की लोक भाषाओं की लोककथाओं का संकलन करना
२. प्रादेशिक भाषाओं की कहानियों की हिंदी कहानी के साथ तुलना करना
३. इन लोककथाओं के माध्यमसे प्रादेशिक संस्कृति का परिचय प्राप्त करना
४. लोककथाओं में आये हुए शब्दों का संकलन करना तथा बिंब एवं प्रतीकों का अध्ययन करना

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. हिंदी साहित्य कोश : सं धीरेन्द्र वर्मा, ज्ञानमंडल लिमिटेड, आज भवन, संत कबीर मार्ग, वाराणसी – २२१००१, पुनर्मुद्रित संस्करण २०००
२. उपन्यास का काव्यशास्त्र : बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
३. हिंदी कथा साहित्य एक दृष्टि : सत्यकेतु सांकृत, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
४. उपन्यास स्थिति एवं गति : चंद्रकांत बांदिवडेकर, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
५. उपन्यास : समय और संवेदना : विजयबहादुर सिंह, वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली
६. हिंदी उपन्यास : डॉ. सुरेश सिन्हा
७. साहित्यिक विधाएँ : पुनर्विचार : डॉ. हरिमोहन
८. साहित्यिक विधाएँ : डॉ. मधु धवन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
९. उपन्यास की संरचना : गोपाल राय, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१०. हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
११. हिंदी कहानी का इतिहास : गोपाल राय, भाग १,२,३ राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१२. कहानी : वस्तु, अंतर्वस्तु : शम्भु गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१३. हिंदी कहानी : यथार्थवादी नज़रिया : मार्कंडेय, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१४. कहानी : नई कहानी : नामवर सिंह राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१५. कहानी की रचना प्रक्रिया : परमानंद श्रीवास्तव, नामवर सिंह राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१६. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत : गोविंद त्रिगुनायत्त
१७. समकालीन कहानी : युगबोध का संदर्भ
१८. प्रेमचंद : एक विवेचन : इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१९. प्रेमचंद : एक विवेचन : इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
२०. प्रेमचंद : एक विवेचन : इंद्रनाथ मदान, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

२१.प्रेमचंद और उनका युग : डॉ. रामविलास शर्मा
२२.तमस : एक अध्ययन : शैलजा पाटील
२३.भीष्म साहनी का उपन्यास साहित्य : विवेक द्विवेदी
२४.कहानीकार प्रेमचंद : रचना दृष्टि और रचना शिल्प : शिवकुमार मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

एम. ए. हिंदी

प्रथम वर्ष

पाठ्यक्रम -0३

प्रयोजनमूलक हिंदी

इकाई ०१ प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

१.१. प्रयोजनमूलक हिंदी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं क्षेत्र
- १.१.१ प्रयोजनमूलक भाषा : अर्थ एवं परिभाषा
- १.१.२ प्रयोजनमूलक हिंदी : नामकरण
- १.१.३ प्रयोजनमूलक हिंदी और सृजनात्मक हिंदी में साम्य और अंतर

१.२ प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूपगत विशेषताएँ
- १.२.१ विशिष्ट भाषा
- १.२.२ कृत्रिमता या औपचारिकता
- १.२.३ अर्जित भाषा
- १.२.४ प्रयोजनपरकता
- १.२.५ पारिभाषिकता एवं अभिधापरकता
- १.२.६ प्रयुक्तिपरकता

१.३ प्रयोजनमूलक हिंदी : व्यवहार क्षेत्र
- १.३.१ प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध (प्रमुख) रूप एवं भाषिक विशेषताएँ
- १.३.२ प्रशासकीय एवं कार्यालयीन हिंदी : भाषिक विशेषताएँ
- १.३.३ वाणीज्य एवं व्यावसाय की हिंदी : भाषिक विशेषताएँ
- १.३.४ विधि की हिंदी : भाषिक विशेषताएँ
- १.३.५ वैज्ञानिक हिंदी : भाषिक विशेषताएँ
- १.३.६ जनसंचार माध्यमों की हिंदी : भाषिक विशेषताएँ

इकाई ०२ प्रशासकीय - कार्यालयीन तथा व्यावसायिक हिंदी : सरकारी एवं अर्धसरकारी पत्र (कृति कार्यक्रम)

२.१ सरकारी पत्र लेखन
- २.१.१ सरकारी पत्रलेखन : स्वरूप
- २.१.२ सरकारी पत्र लेखन : भाषिक विशेषताएँ
- २.१.३ सरकारी पत्र लेखन : ०४ नमूने
- २.१.४ सरकारी पत्र लेखन : गृहकार्य

२.२ अर्ध सरकारी पत्र

२.२.१ अर्ध सरकारी पत्र लेखन : स्वरूप
२.२.२ अर्ध सरकारी पत्र लेखन : भाषिक विशेषताएँ
२.२.३ अर्ध सरकारी पत्र लेखन : ०४ नमूने
२.२.४ अर्ध सरकारी पत्र लेखन : गृहकार्य

२.३ **व्यावसायिक पत्र**
२.३.१ व्यावसायिक पत्र का स्वरूप एवं व्याप्ति
२.३.२ व्यावसायिक पत्र : भाषिक विशेषताएँ
२.३.३ व्यावसायिक पत्र : ०४ नमूने
२.३.४ व्यावसायिक पत्र : गृहकार्य

२.४ **शिकायत पत्र**
२.४.१ शिकायत पत्र : स्वरूप एवं आवश्यकता
२.४.२ शिकायत पत्र : भाषिक विशेषताएँ
२.४.३ शिकायत पत्र : ०४ नमूने
२.३.४ शिकायत पत्र : गृहकार्य

इकाई ०३ जनसंचार माध्यमों की हिंदी – मुद्रित, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य माध्यम : भाषिक विशेषताएँ

३.१ **जनसंचार का मुद्रित माध्यम : समाचार लेखन एवं विज्ञापन की हिंदी**
३.१.१ प्रमुख मुद्रित माध्यम : सामान्य परिचय
३.१.२ समाचार लेखन : भाषिक विशेषताएँ
३.१.३ समाचार लेखन (सम्पादकीय, विज्ञापन, कृषि तथा खेल विषयक समाचार के ०४ नमूने) : इसके आधारपर सोदाहरण भाषा की विशेषताएँ विशद करना
३.१.४ गृहकार्य एवं मूल्यांकन

३.२ **श्रव्य माध्यम रेडियो : भाषिक विशेषताएँ**
३.२.१ प्रमुख श्रव्य माध्यम : भाषिक विशेषताएँ
३.२.२ रेडियो की हिंदी : भाषिक विशेषताएँ
३.२.३ रेडियो लेखन (समाचार, विज्ञापन, कृषि तथा खेल से संबंधित ०४ नमूने) : इसके आधारपर सोदाहरण भाषा की विशेषताएँ विशद करना
३.२.४ गृहकार्य एवं मूल्यांकन

३.३ **दृश्य-श्रव्य माध्यम दूरदर्शन : भाषिक विशेषताएँ**
३.३.१ प्रमुख दृश्य-श्रव्य माध्यम : सामान्य परिचय
३.३.२ दृश्य-श्रव्य माध्यम दूरदर्शन : भाषिक विशेषताएँ
३.३.३ दूरदर्शन लेखन (समाचार, विज्ञापन, कृषि तथा खेल से संबधित ०४ नमूने) इसके आधारपर भाषिक विशेषताएँ विशद करना
३.३.४ गृहकार्य एवं मूल्यांकन

इकाई ०४ जनसंचार माध्यमों की हिंदी : इलेक्ट्रोनिक मीडिया

४.१ **इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विविध रूप एवं सामान्य भाषिक विशेषताएँ**

४.१.१ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के विविध रूप
४.१.२ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की हिंदी : भाषिक विशेषताएँ
४.१.३ इलेक्ट्रोनिक मीडिया की हिंदी की लिपि : वर्तमान परिदृश्य एवं उपाय
४.१.३ मूल्यांकन

४.२ कंप्यूटर की हिंदी : स्वरूप एवं विशेषताएँ
४.२.१. कंप्यूटर की कार्य पद्धति : माध्यम भाषा के रूप में हिंदी की उपयोगिता
४.२.२ देवनागरी कंप्यूटर का सामान्य परिचय और कार्यपद्धति
४.२.३ टंकण की भाषा हिंदी : सुविधाएँ, कठिनाइयाँ, उपाय
४.२.४ गृहकार्य एवं मूल्यांकन

४.३ इंटरनेट की हिंदी
४.३.१ अंतर्राष्ट्रीय सूचना मार्ग के रूप में इंटरनेट की उपयोगिता
४.३.२ इंटरनेट की कार्य पद्धति : माध्यम भाषा के रूप में हिंदी का प्रयोग – सुविधाएँ, कठिनाइयाँ एवं उपाय
४.३.३ एस.एम.एस. की भाषा : स्वरूप, विशेषताएँ तथा लिपि
४.३.४ मूल्यांकन

इकाई ०५ अनुवाद : अवधारणा, सिद्धांत, प्रविधि एवं महत्त्व

५.१ अनुवाद : अवधारणा, स्वरूप, प्रविधि तथा महत्त्व
५.१.१ अनुवाद : अवधारणा, स्वरूप
५.१.२ अनुवाद : सिद्धांत एवं प्राविधि
५.१.२ वर्तमान परिप्रेक्ष्य में अनुवाद का महत्त्व, व्याप्ति एवं रोजगार की संभावनाएँ

५.२ अनुवादक के अधिकार, सीमाएँ एवं गुण
५.१.१ अनुवादक के अधिकार
५.१.२ अनुवादक की सीमाएँ
५.१.३ अनुवादक के गुण

५.३ अनुवाद : भारतीय परंपरा एवं वर्तमान परिदृश्य
५.३.१ अनुवाद : भारतीय परंपरा
५.३.२ अनुवाद : भारतीय भाषाओं के सन्दर्भ में
५.३.३ अनुवाद : वर्तमान परिदृश्य
५.३.४ मूल्यांकन

इकाई ०६ अनुवाद : साहित्यिक, कामकाजी-कार्यालयीन, एवं आशु अनुवाद

६.१ साहित्यिक अनुवाद : स्वरूप, सिद्धांत एवं व्यवहार
६.१.१ साहित्यिक अनुवाद : सिद्धांत
६.१.२ पद्यानुवाद : ०५ कविताओं के अनुवाद के नमूने तथा अनुवाद करते समय आयी कठिनाइयों का सोदाहरण विवेचन
(उदा. मराठी से हिंदी, हिंदी से मराठी, हिंदी से अन्य किसी एक भारतीय भाषा में)
६.१.३ किसी एक कहानी और एक निबंध का अनुवाद तथा अनुवाद करते

समय आयी कठिनाइयों का सोदाहरण विवेचन)
(उदा. मराठी से हिंदी, हिंदी से मराठी तथा हिंदी से अन्य किसी एक भारतीय भाषा में)

६.२ **कामकाजी अनुवाद : स्वरूप, सिद्धांत एवं व्यवहार**

६.२.१ कामकाजी-कार्यालयीन अनुवाद : स्वरूप एवं सिद्धांत

६.२.२ कार्यालयीन अंग्रेजी अथवा मराठी वाक्यांशों का हिंदी तथा हिंदी से अंग्रेजी, मराठी या अन्य किसी भारतीय भाषाओं में अनुवाद
(१० वाक्य)

६.२.३ कामकाजी (किसी भी क्षेत्र से) मराठी, अंग्रेजी या किसी एक भारतीय भाषा के वाक्यांशों का हिंदी में तथा हिंदी के वाक्यांशों का
मराठी,
अंग्रेजी तथा किसी एक भारतीय भाषा में अनुवाद

६.३ **आशु अनुवाद**

६.३.१ आशु अनुवाद का स्वरूप एवं प्रक्रिया

६.३.२ वर्तमान समय में आशु अनुवाद का महत्त्व

६.३.३ प्रात्यक्षिक : आशु अनुवाद का अवलोकन कर दस वाक्यों का संकलन किया जाए तथा कार्य करते समय आये अनुभवों को शब्दबद्ध
किया
जाए (पुस्तक लेखक एवं छात्र)

६.४ **अनुवाद कार्य करते समय आयी कठिनाइयों का विवेचन एवं उपाय**

६.५ **मूल्यांकन**

इकाई ०७ प्रकल्प कार्य : एक रचना का अनुवाद

७.१ किसी भी एक भारतीय भाषा की रचना (कविता, कहानी, निबंध, वैचारिक लेख, संस्मरण, रेखाचित्र) का चयन एवं अनुवाद

७.२ अनुवाद करते समय आयी कठिनाइयों का विवेचन तथा अनुवाद कार्य के लिए अपनाई गयी प्रविधि का विवेचन

७.३ उपयोग में लाई गयी सामग्री की जानकारी

७.४ अनुवाद कार्य : अनुभव कथन

अधिक अध्ययन हेतु :

१. सरकारी कामकाज का बारीकी से अवलोकन करे
२. अनुवाद करते समय किन-किन शब्दों के अनुवाद में दिक्कतें आयी? और क्यों? कारणों को ढूँढे
३. इन शब्दों का संकलन करें

स्वयं अध्ययन के लिए :

१. भिन्न- भाषी छात्रों से चर्चा तथा उनकी भाषा के श्रेष्ठ साहित्य को जानने का प्रयास
२. इन रचनाओं का अपनी भाषा में अनुवाद करने का प्रयास

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

१. प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग : दंगल झाल्टे, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
३. व्यावहारिक हिंदी : रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
४. प्रयोजनमूलक हिंदी : संरचना एवं अनुप्रयोग : डॉ. रामप्रकाश / डॉ. दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
५. हिंदी पत्रकारिता हमारी विरासत : सं शंभुनाथ, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
६. प्रयोजनमूलक हिंदी और पत्रकारिता : डॉ. दिनेशप्रसाद सिंह, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
७. समाचार पत्रों की भाषा : माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
८. साहित्यिक पत्रकारिता : माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
९. टेलीविजन : चुनौतियाँ और संभावनाएँ, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१०. टेलीविजन की भाषा : हरिश्चंद्र वर्णवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
११. टेलीविजन लेखन : असगर वजाहत, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१२. विज्ञापन डॉट कॉम. : डॉ रेखा सेठी, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१३. मीडिया लेखन : सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१४. मीडिया लेखन के सिद्धांत : एन. सी. पंत, तक्षशीला प्रकाशन , ९८ ए. हिंदी पार्क, दरियागंज, नई दिल्ली ११०००२
१५. संचार माध्यम लेखन : गौरीशंकर रैना, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१६. कंप्यूटर और सूचना प्राद्यौगिकी शब्दकोश : विनोदकुमार मिश्र, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१७. कंप्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग : विजयकुमार मल्होत्रा, माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
१८. रेडियो नाटक की कला : डॉ. सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
१९. रेडियो वार्ता शिल्प : सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
२०. कंप्यूटर और हिंदी : डॉ. हरिमोहन, तक्षशीला प्रकाशन, ९८ ए. हिंदी पार्क, दरियागंज नई दिल्ली – ११० ००२
२१. न्यू मीडिया इंटरनेट की भाषाई चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ : आर. अनुराधा, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
२२. मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप और संभावनाएँ : डॉ. अर्जुन चव्हाण, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
२३. अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार : डॉ. जयंतीप्रसाद नौटियाल, राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२

२४.अनुवाद की व्यापक संकल्पना : प्रो. दिलीप सिंह, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
२५.अनुवाद वर्णव्यवस्था आणि मी – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे (मराठी)
२६.अनुवाद क्या है? – राजमल बोरा, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२७.अनुवाद प्रक्रिया एवं परिदृश्य : रीतारानी पालीवाल, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२८.अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा : डॉ. सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
२९.अनुवाद विज्ञान की भूमिका : कृष्णकुमार गोस्वामी, राजकमल प्रकाशन, प्रा. लि. १ – बी, नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली ११०००२
३०.अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग : जी गोपीनाथन, लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
३१.भारतीय भाषाएँ और हिंदी अनुवाद : समस्या एवं समाधान : कैलाशचंद्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
३२.साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
३३.हिंदी टंकण सिद्धांत : शिवनारायण चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
३४.कंप्यूटरी सूचना प्रणाली विकास : रामबंसल ‘विज्ञाचार्य’, माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
३५.प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. अंबादास देशमुख
३६.प्रयोजनमूलक हिंदी : माधव सोनटक्के
३७.प्रयोजनमूलक हिंदी तथा भाषा कंप्यूटिंग – जमादार एच. ए. तथा जन अहमद के. जे.
३८.प्रयोजनमूलक हिंदी : नरेश मिश्रा
३९.प्रयोजनमूलक हिंदी तथा अनुवाद : डॉ. आदिनाथ सोनटक्के

एम. ए. हिंदी
प्रथम वर्ष
पाठ्यक्रम – 04

हिंदी साहित्य का इतिहास

खंड अ

इकाई ०१ : साहित्येतिहास का स्वरूप, कालविभाजन, नामकरण तथा पुनर्लेखन की समस्याएँ

१.१ **साहित्येतिहास का स्वरूप, दृष्टि, कालविभाजन एवं नामकरण**
१.१.१ साहित्येतिहास लेखन : अवधारणा, स्वरूप एवं दृष्टि
१.१.२ कालाविभाजन के आधार तथा हिंदी साहित्येतिहास का कालविभाजन एवं नामकरण

१.२ **हिंदी साहित्य के इतिहास का इतिहास**

१.३ **हिंदी साहित्येतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ**

इकाई ०२ आदिकाल : सीमांकन, नामकरण, युगीन पृष्ठभूमि एवं प्रमुख काव्यधाराएँ

२.१ **आदिकाल :**
२.१.१ सीमांकन एवं नामकरण
२.१.२ युगीन पृष्ठभूमि

२.२ **आदिकाल : प्रमुख काव्यधाराएँ एवं प्रवृत्तियाँ**
२.२.१ सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य
२.२.२ रासो साहित्य
२.२.३ अन्य काव्यधाराएँ : संक्षिप्त परिचय (हास्य-व्यंग्य, श्रृंगार प्रधान काव्य, गद्य साहित्य)

२.३ **मूल्यांकन**

इकाई ०३ भक्तिकाल : सीमांकन, नामकरण, युगीन पृष्ठभूमि एवं प्रमुख काव्यधाराएँ

३.१ **भक्तिकाल :**

३.१.१ सीमांकन एवं नामकरण

३.१.२ युगीन पृष्ठभूमि

३.२ **भक्तिकाल : प्रमुख काव्यधाराएँ : निर्गुण काव्य**

३.१.१ संत काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

३.१.२ सूफी काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

३.३ **भक्तिकाल : प्रमुख काव्यधाराएँ : सगुन काव्य**

३.३.१ कृष्णभक्ति काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

३.३.२ रामभक्ति काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

३.४ **भक्तिकालीन काव्य का मूल्यांकन**

इकाई ०४ रीतिकाल : सीमांकन, नामकरण, युगीन पृष्ठभूमि एवं प्रमुख काव्यधाराएँ

४.१ **रीतिकाल :**

४.१.१ सीमांकन एवं नामकरण

४.१.२ युगीन पृष्ठभूमि

४.२ **रीतिकाल : प्रमुख काव्यधाराएँ**

४.२.१ रीतिबद्ध काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

४.२.२ रीतिसिद्ध काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

४.२.३ रीतिमुक्त काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

४.३ **रीतिकाल का मूल्यांकन**

खंड आ
आधुनिक काल

इकाई ०५ आधुनिक हिंदी काव्य : विकासात्मक अध्ययन

५.१ **आधुनिक काल : प्रेरणा स्त्रोत एवं युगीन पृष्ठभूमि**

५.१.१ प्रेरणा स्त्रोत

५.१.२ युगीन पृष्ठभूमि

५.२ **भारतेंदु युग – द्विवेदी युग – छायावादी युग : काव्यधारा**

५.२.१ भारतेंदु युगीन काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

५.२.२ द्विवेदी युगीन काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

५.२.३ छायावादी काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

५.३ **प्रगति - प्रयोग – नई कविता – समकालीन कविता : काव्यधारा**

५.३.१ प्रगतिवादी काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

५.३.२ प्रयोगवादी - नई कविता : काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

५.३.३ समकालीन कविता की काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

५.३.४ राष्ट्रीय तथा सांस्कृतिक चेतना की काव्यधारा : परंपरा, प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि

५.४ आधुनिक कालीन काव्य : मूल्यांकन

इकाई ०६ : आधुनिक प्रमुख हिंदी गद्य विधाओं का विकासात्मक अध्ययन

६.१ आधुनिक हिंदी गद्य : उद्भव एवं विकास

६.२ आधुनिक हिंदी गद्य विधाओं का विकासात्मक अध्ययन : उपन्यास का विकासात्मक अध्ययन

६.२.१ हिंदी उपन्यास : प्रेमचंद पूर्व युग
६.२.२ हिंदी उपन्यास : प्रेमचंद युग
६.२.३ हिंदी उपन्यास : प्रेमचंदोत्तर युग

६.३ आधुनिक हिंदी गद्य विधाओं का विकासात्मक अध्ययन : हिंदी कहानी का विकासात्मक अध्ययन

६.३.१ प्रेमचंद पूर्व युग
६.३.२ प्रेमचंद युग
६.३.३ प्रेमचंदोत्तर युग

६.४ आधुनिक हिंदी गद्य विधाओं का विकासात्मक अध्ययन : हिंदी नाटक का विकासात्मक अध्ययन

६.४.१ भारतेंदु युग
६.४.२ प्रसाद युग युग
६.४.३ प्रसादोत्तर युग

६.५ मूल्यांकन

इकाई ०७ हिंदी दलित एवं महिला लखन का विकासात्मक अध्ययन (केवल आत्मकथा के सन्दर्भ में

७.१ हिंदी दलित आत्मकथा साहित्य : विकासात्मक अध्ययन
७.२ हिंदी महिला लेखन : विकासात्मक अध्ययन
७.३ हिंदी दलित एवं महिला आत्मकथा साहित्य का हिंदी साहित्य में योगदान

अधिक अध्ययन हेतु :

१. काव्य की अन्य विधाओं का विकासात्मक अध्ययन
२. गद्य की अन्य विधाओं का विकासात्मक अध्ययन

स्वयं अध्ययन हेतु :

१. दक्खनी भाषा की कविताओं का संकलन कर इसके इतिहास लेखन का कार्य
२. प्रादेशिक भाषा मराठी की साहित्य विधाओं की हिंदी साहित्य विधाओं के साथ तुलना कर समानताएँ एवं विषमताएँ देखने का प्रयास

३. किसी अन्य प्रादेशिक भाषा के साहित्य के इतिहास का सामान्य परिचय पाना

संदर्भ ग्रंथ सूची

४०.हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल – वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
४१.हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारीप्रसाद द्विवेदी - वाणी प्रकाशन, २१ ए., दरियागंज, नई दिल्ली – ११०००२
४२.हिंदी साहित्य का इतिहास : सं डॉ. नगेन्द्र – नॅशनल पब्लिशिंग हाउस २३, दरियागंज नई दिल्ली ११०००२
४३.हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : डॉ. रामकुमार वर्मा - लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
४४.हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : गंपतिचंद्र गुप्त - लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
४५.हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास : हजारीप्रसाद द्विवेदी - लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
४६.हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : डॉ. रामविलास शर्मा
४७.साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय
४८.हिंदी साहित्य का अतीत : डॉ. विश्वनाथप्रसाद मिश्र
४९.हिंदी साहित्य : युग और प्रवृत्तियाँ : शिवकुमार शर्मा
५०.हिंदी साहित्य का सही इतिहास : डॉ. चंद्रभानु सोनवने – आलोक प्रकाशन , औरंगाबाद
५१.आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे – विकास प्रकाशन कानपुर
५२.हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्लेखन की समस्याएँ – पुखराज मारू : राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
५३.हिंदी साहित्य का परिचयात्मक इतिहास : भागीरथ मिश्र - राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
५४.हिंदी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय – लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
५५.आधुनिक हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह - लोकभारती प्रकाशन, पहली मंजिल, दरबारी बिल्डिंग, महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद – २११००१
५६.हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. माधव सोनटक्के
५७.आधुनिक हिंदी कविता का वैचारिक पक्ष : डॉ. रतनकुमार पांडे
५८.भारतीय दलित आन्दोलन का इतिहास (खंड ०४) : मोहनदास नैमिशराय - राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ७/३१/ अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली, ११० ००२
५९.हिंदी साहित्य का सुबोध इतिहास : बाबू गुलाबराय
६०.हिंदी निर्गुण संत काव्य : डॉ. रमा शुक्ल
६१.हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. जयकिशनप्रसाद
६२.हिंदी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय – राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., १ - बी नेताजी सुभाष मार्ग, नई दिल्ली – ११० ००२
६३.